

Title: Need to include Maithili language in the Eighth Schedule of the Constitution.

श्री रामचन्द्र पासवान : अध्यक्ष जी, आपने मुझे समय दिया, उसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। मेरी विनती है कि मैथिली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में जोड़ना के काम करेंगे। (व्यवधान) माननीय उप प्रधान मंत्री श्री आडवाणी जी 16 अगस्त को माननीय कीर्ति आजाद जी के प्रोग्राम में दरभंगा आये थे। उन्होंने वहाँ कहा था कि माननीय प्रधान मंत्री जी ने इस बारे में घोषणा की है और हम उस पर कार्यान्वयन करेंगे। अध्यक्ष महोदय, इस संबंध में अभी तक न कोई प्रस्ताव आया है और न ही इस पर आगे कोई कार्रवाई की गयी है। मैथिली भाषा से करीब 4 करोड़ 30 लाख लोग प्रभावित है। आज 4 करोड़ 30 लाख लोग इनकी घोषणा का इंतजार कर रहे हैं लेकिन आज तक इस बारे में कुछ नहीं हुआ। अब किसी भी समय लोक सभा के चुनाव हो सकते हैं लेकिन आज तक इस बारे में कोई कार्रवाई नहीं हुई। क्या वोट को इकट्ठा करने के लिए और वोटर्स को उगने के लिए यह आश्वासन दिया गया था या सही में इस भाषा को अटम सूची में शामिल करना चाहते हैं? यह चार करोड़ तीस लाख लोगों के अस्तित्व से जुड़ा मामला है। मैथिली भाषा को संविधान की अटम सूची में शामिल न करने से वहाँ के लोग बहुत आक्रोशित हैं। वह इस घोषणा का इंतजार कर रहे हैं। हम मांग करते हैं कि केन्द्र सरकार इसके लिए कार्रवाई करे और शीघ्रतापूर्वक संसद में इससे संबंधित विधेयक लाने का काम करे।

श्री कीर्ति झा आजाद (दरभंगा) : अध्यक्ष महोदय, इस बारे में एक उच्चस्तरीय समिति भी बन चुकी है। हमने इस विषय में प्रधान मंत्री और उपप्रधान मंत्री दोनों से बात की थी। हमें इस बारे में आश्वासन भी दिया गया था। (व्यवधान) मेरे संसदीय क्षेत्र दरभंगा में इससे संबंधित एक कार्यक्रम भी हुआ था। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: श्री रघुनाथ झा, श्री पप्पू यादव और श्री कीर्ति झा आजाद सभी इसके साथ एसोसिएट कर रहे हैं। मंत्री जी, इस विषय में ध्यान दें।

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा पर्यटन और संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती भावनाबेन देवराजभाई चीखलीया) : अध्यक्ष महोदय, मैं श्री रामचन्द्र पासवान द्वारा कही बात को संबंधित मंत्री तक पहुंचा दूंगी। (व्यवधान)